unacademy

लवक (Plastid)—यह केवल पादप कोशिका में पाये जाते हैं। यह तीन प्रकार के होते हैं—

(i) हरित लवक (Chloroplast), (ii) अवर्णी लवक (Leucoplast) एवं (iii) वर्णी लवक (Chromoplast)।

(i) **हरित लवक** (Chloroplast)—यह हरे रंग का होता है, क्योंकि इसके अन्दर एक हरे रंग का पदार्थ पर्णहरित (Chlorophyll) होता है। इसी की सहायता से पौधा प्रकाश संश्लेषण करता है और भोजन बनता है, इसलिये हरित लवक को पादप कोशिका की रसोई कहते हैं।

unacademy

(ii) अवर्णी लवक (Leucoplast)—यह रंगहीन लवक है। यह पौधे के उन भागों की कोशिकाओं में पाया जाता है, जो सूर्य के प्रकाश से वंचित है, जैसे कि जड़ों में, भूमिगत तनों आदि में ये भोज्य पदार्थों का संग्रह करने वाला लवक है।

unacademy

(iii) वर्णी लवक (Chromoplast)—ये रंगीन लवक होते हैं, जो प्रायः लाल, पीले, नारंगी रंग के होते हैं। ये पौधे के रंगीन भाग जैसे पुष्प, फलभित्ति, बीज आदि में पाये जाते हैं।

वर्णी लवक के अन्य उदाहरण—टमाटर में लाइकोपेन (Lycopene) गाजर में कैरोटीन (Carotine), चुकन्दर में बिटानीन (Betanin)

unacademy

एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में जाने वाले गुणों को आनुवंशिक गुण कहते हैं। इन मूल गुणों के संचरण के कारण ही प्रत्येक जीव के गुण अपने जनकों के गुण के समान होते हैं।

आनुवंशिकता के बारे में सर्वप्रथम जानकारी आस्ट्रिया निवास **ग्रिगर जोहान मेंडल** (1822-1884 ई.) ने दी। इसी कारण उन्हें **आनुवंशिकता का पिता** (Father of genetics) कहा जाता है।

unacademy

फीनोटाइप—जीवधारी के जो लक्षण प्रत्यक्ष रूप से दिखायी पड़ते हैं, उसे फीनोटाइप कहते हैं।

जीनोटाइप—जीवधारी के आनुवंशिक संगठन को उसका जीनोटाइप कहते हैं, जो कि कारकों (जीन) का बना होता है।